શ્રી બૃહદ્ મુંબઈ વર્ધમાન સ્થાનકવાસી જૈન મહાસંઘ

સંચાલિત : માતુશ્રી મણિબહેન મણશી ભીમશી છાડવા (સામખીયારીવાળા)
ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ આયોજિત વાર્ષિક પરીક્ષા **જૈનશાળા** પેપર
તા. ૨૩-૦૮-૨૦૧૫ • સમયઃ બપોરે ૨ થી ૫ • શ્રેણી : **3** • ગુણ : ૧૦૦

(Dharmik Shikshan Board Certificate Course Level : 3)

प्र. : १. क) नीचे दिये पाठ की पूर्ति करो : **(25)**

(१) जावंति केइ .... ते सव्वे
(२) कित्तिय .... सिद्धा
(३) दुप्पडिलेणाए .... अणायारे
(४) विलेवण विहि .... ओदण विहि
(५) पडिक्कमिउं .... छप्पइ संघट्टाणाओ
(६) वत्थ ....फलग
(७) अणेसणाओ .... अदिट्ठहडाओ
(८) कओ .... अकप्पो
(९) अेगविहे .... तिहिं दंडेहि
(१०) अभिहया .... किलामिया

ख) नीचे के शब्दो के हिन्दी में अर्थ लिखो : **(11)**

(१) जंवाइड्ढं (२) वइककंतो (३) कुककुइअे (४) उम्मग्गो (५) परोवएसे
(६) न तीरियं (७) कूडतोले कूडमणे (८) सुअे (९) पर पासंड संथवो
(१०) फोडी कम्मे (११) दग

ग) मागधी शब्द लिखो : **(12)**

(१) जीने की इच्छा की हो । (२) आर्त-रोद्र ध्यान कीया हो ।
(३) नाक-कान आदि अवयव का छेदन कीया हो । (४) दुष्ट मनसे कीया
(५) पाट-विस्तर आदी की प्रतिलेखना न की हो ।(६) अशुभ पापक्रिया को रोक के
(७) गलत वजन गलत माप रखा हो । (८) आज्ञा
(९) गलत लेख, दस्तावेज, कीताब लिखा हो । (१०) धर्मरथ के सारथिओ
(११) सरोवर, कूवा, तालाब, नीखालने का व्यापार कीया हो ।
(१२) चांदि और सोनेकी मर्यादा का उल्लंघन कीया हो ।

घ) नीचे के प्रश्नो का योग्य उत्तर दीजीए : **(7)**

(१) आवश्यक सूत्र के कीतने आवश्यक है । कोन कोन से ? 2
(२) शिक्षाव्रत कीतने है ? कौन कोन से ? 3
(३) प्रतिकम्रण की आज्ञा लेने का पाठ कोनसा ? सार पाठ कौनसा ? 2

प्र. : २. क) सही है या गलत लिखो : **(4)**

(१) साधारण वनस्पति में अेक शरीर में अनंता जीव है ।
(२) बादर पृथ्वीकाय के अेक पर्याप्त की निश्राम में असंख्यता अपर्याप्ता है ।
(३) जो भुजा पर चलते है वह स्थलचर है ।
(४) बादर तेउकाय फक्त जंबुद्वीप में है ।

(P.T.O.)

ख) खाली जगह पूरो : (4)

(१) एक बार बिना मुहपती से बोलने से वायु के .... जीवो की हिंसा होती है ।

(२) इयळ का उत्कृष्ट आयुष्य .... है ।

(३) जीव के कुल भेद .... है।

(४) त्रसकाय का नाम .... है ।

(५) चउरेंद्रियना कुल .... है ।

(६) पहली नरक का नाम .... है ।

(७) प्रत्येक वनस्पति के वृक्ष .... बोल से शोभते हैं ।

(८) पानी के अेक बूंद में रहे हुए जीवो .... जितनी काया करे तो एक लाख योजन के जम्बूद्विप में नहीं आ शके ।

ग) नीचे के प्रश्नो के योग्य उत्तर दिजिए : (17)

(१) पृथ्वीकाय का उत्कृष्ट आयुष्य, तेउकाय का वर्ण । 2

(२) अपकाय का संस्थान, वाउकाय के कुल लिखो । 2

(३) वैमानिक देव की उत्कृष्ट स्थिति, तिर्यंच पंचेन्द्रिय का कुल लिखो । 2

(४) इधइ के भेद, संमूर्च्छिम मनुष्य की उत्कृष्ट स्थिति । 2

(५) कंदमूल त्याग से होते लाभ (दो वाक्य) 2

(६) मोक्ष प्राप्ति के उपाय क्या है ? 2

(७) पृथ्वीकाय की दया पालने के दो पोइन्ट लिखो । 2

(८) कषाय इसलिए क्या ? लोभ और माया का नाश किससे होता है । 3

प्र. : ३. नीचे के प्रश्नो के जवाब कथा विभाग से लिखो : (10)

(१) आनंद श्रावकने .... वर्ष तक .... धर्म की आराधना की । 4
.... महिने का संथारा करके .... देवलोक में देव बने ।
.... नगरी का राज्य .... महाराजा संभाल रहे थे ,
उनकी माता .... पिता .... थे।

(२) आनंद श्रावक के पास कीतनी गाये, संपत्ति थी ? 3

(३) दीक्षा लेकर गजसुकुमारने भगवान के पास कीसकी आज्ञा मागी ?3
सोमिलने मुनि के सर पर क्या रखा ?

प्र. : ४. काव्य पूर्ण करो : (10)

(१) हुं क्रोध अग्निथी .... चगदाय छे ।

(२) करे काळजाने .... माफ मारा वांकने ।

(३) में दान तो .... निष्फळ गयुं ।

(४) जीवडा जीवनुं .... करीए तो थाय ।

(५) दीन क्रूर ने .... चित्त धरुं ।

"जय जिनेन्द्र"